Geography Part – II By :- Abhishek Kumar.

R.N. College Hajipur.

India Physical

Q. भारत को भौतिक इकाइयों में बाँटिये।

Ⓐ परिचय :- भारत को भौतिक इकाइयों में बाँटना कठिन कार्य है क्योंकि भौतिक इकाई के दृष्टि से भारत में विभिन्नता पायी जाती है। एक ओर जहाँ ऊँचे-2 पर्वत है वहीं दूसरी ओर विस्तृत मैदान। इसके अलावा इस देश में पठारी मैदान भी है। एक ओर जहाँ विश्व की प्राचीनतम पर्वत अरावली है वहीं दूसरी तरफ नवीन मोड़दार पर्वत हिमालय। इस प्रकार भारत को पाँच मुख्य भागों में विभाजित किया जा सकता है -

1. उत्तर का पर्वतीय प्रदेश
2. उत्तर का विशाल मैदान
3. प्रायद्वीपीय पठार
4. तटीय मैदान
5. द्वीप समूह

उपर्युक्त को हम निम्न शीर्षक अन्तर्गत अध्ययन करेंगे।

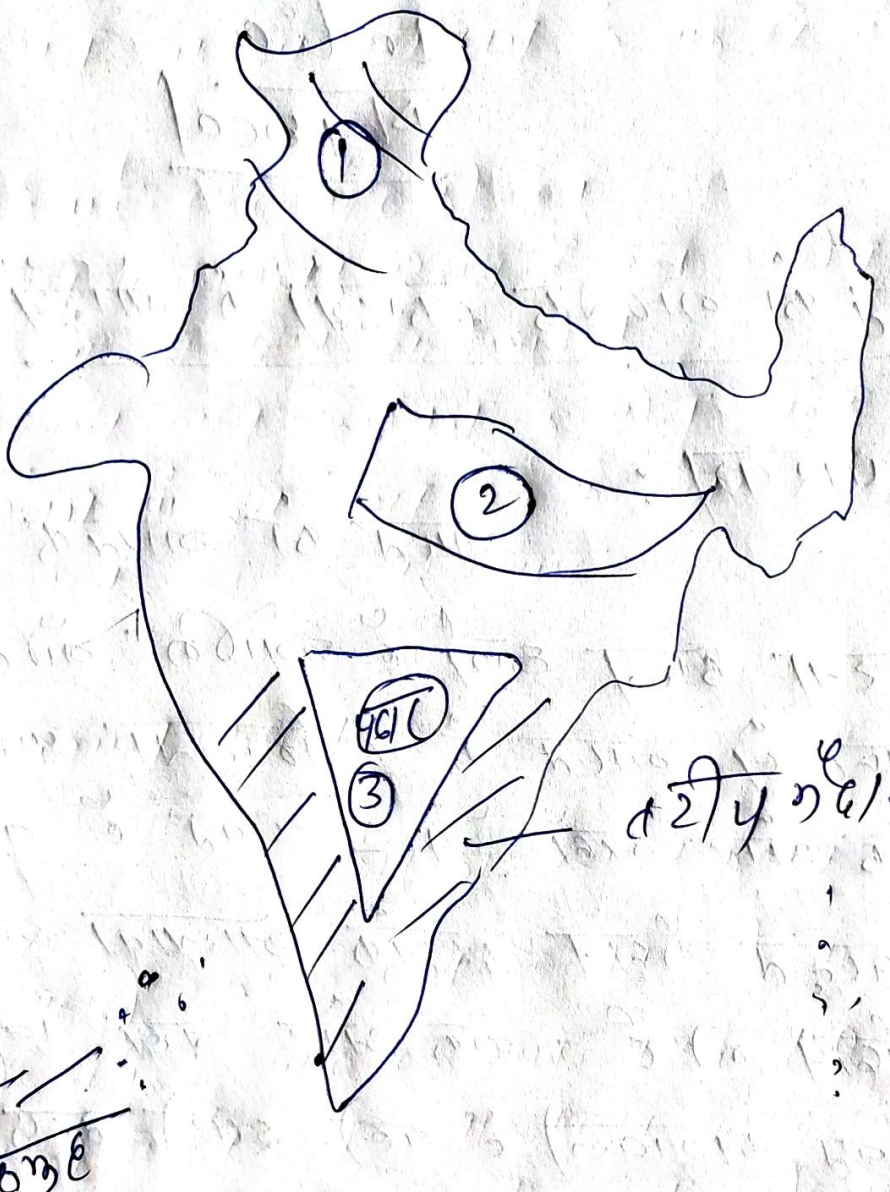

1. उत्तर का पर्वतीय प्रदेश :-

उत्तर का पर्वतीय प्रदेश तीन समानांतर श्रृंखलाओं पश्चिम के सिंधु गार्ज से लेकर पूर्व में ब्रह्मपुत्र गार्ज तक 2400 km में फैला हुआ है इसकी चौड़ाई 150-300 km तथा इसका उत्थान तीन चरणों में हुआ जिसे हम निम्न मॉडल के देख सकते हैं -

(i) महान हिमालय :—

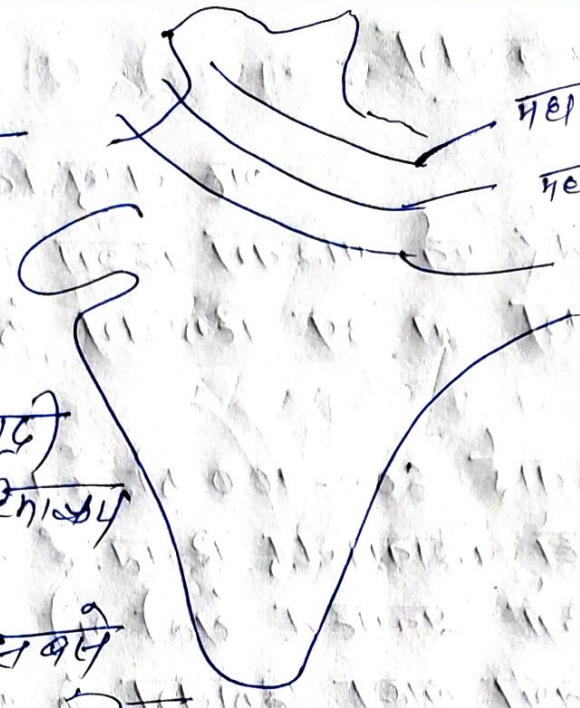

→ यह हिमालय के उत्तर भाग की ऊँची श्रेणी है इसे हिमाद्रि या वृहत या महान हिमालय कहते हैं।

→ इस श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट है जो 8850 मी. है।

→ इस श्रेणी का भारतीय सीमा में सबसे ऊँची चोटी कंचनजंगा है जो सिक्किम में स्थित है।

→ गंगा यमुना एवं इसकी सहायक नदी इसी श्रेणी के मध्य से निकलती है

(ii) मध्य हिमालय :—

यह महान हिमालय के दक्षिण में इसके समानान्तर स्थित है, इसे हिमाचल या लघु हिमालय के नाम से जाना जाता है।

→ इस श्रेणी की ऊँचाई 900-1200 मी. है।

→ इस श्रेणी में इस भाग की पर्वत श्रेणी पीरपंजाल, नागटिब्बा, महाभारत एवं मसूरी प्रसिद्ध है।

→ वृहत हिमालय एवं लघु हिमालय के बीच अनेक घाटियाँ पायी जाती है जैसे:- काश्मीर घाटी तथा नेपाल में स्थित काठमांडू घाटी प्रसिद्ध है।

→ भारत के अधिकांश पर्यटक स्थल एवं स्वास्थ्यवर्धक स्थल जैसे शिमला, दार्जिलिंग, डलहौजी, नैनीताल इसी श्रेणी में है।

(iii) शिवालिक हिमालय :-

यह लघु हिमालय के दक्षिण में इसके समानांतर पूर्व-पश्चिम दिशा में फैली हुई है। इसे बाह्य हिमालय या उप हिमालय के नाम से जाना जाता है।

→ इस श्रेणी की ऊँचाई 600-900 मी० है।

→ वर्तमान में जहाँ शिवालिक स्थित है वहाँ अतीत में इंडो-ब्रह्म नदियाँ प्रवाहित होती थी।

→ लघु हिमालय तथा बाह्य हिमालय के बीच अनेक घाटियाँ है जिसे पश्चिम में "दून" तथा पूर्व में "द्वार" कहा जाता है जैसे:- देहरादून, एवं हरिद्वार आदि

2. उत्तर का विशाल मैदान

उत्तर का विशाल मैदान उत्तरी पर्वत तथा दक्षिणी पठारी भाग के मध्य 800 की मिलि में फैला हुआ है तथा इसकी चौड़ाई 2400 km तथा लंबाई 150-300 km है। यह विश्व की सबसे बड़ी जलोढ़ मैदान है। इसमें उत्थावच बहुत कम मिलती है इसका निर्माण काल "प्लीस्टोसीन" एवं "होलोसीन" काल है। इस मैदान को पाँच मुख्य प्रदेश में विभाजित किया गया है :-

(i) भाबर प्रदेश

(ii) तराई प्रदेश

(iii) खादर प्रदेश

(iv) बाँगर प्रदेश

(v) रेह प्रदेश

3. प्रायद्वीपीय पठार

भारत का प्रायद्वीपीय पठार विश्व के सबसे प्राचीनतम पठारों में से एक है जिसकी ऊँचाई 600-900 मी है। इसके पश्चिम में पश्चिमी घाट तथा पूर्व में पूर्वी घाट स्थित है।

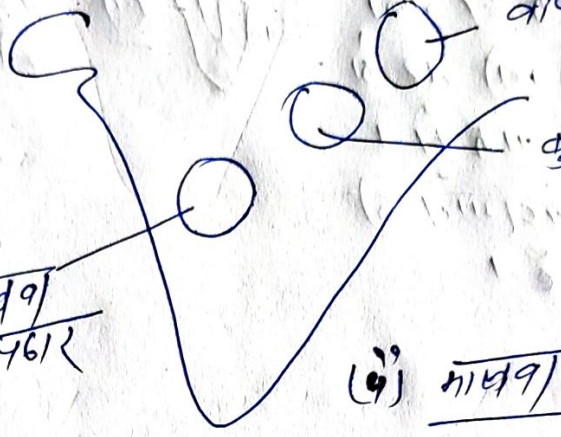

(i) अरावली पर्वत:-

यह संसार की सबसे प्राचीन पर्वत है। इसी श्रेणी के बीच में राजस्थान में स्थित माउंट आबू शहर स्थित है।

→ इसी क्षेत्र में राजस्थान में दिलवाड़ा जैन मंदिर स्थित है।

→ यह दिल्ली से गुजरात तक 800 km में फैली हुई है।

→ इसी क्षेत्र का वह भाग जो दिल्ली के समीप आता है "रायसीना" पहाड़ी के नाम से जाना जाता है जिसपर राष्ट्रपति भवन बसा हुआ है।

(ii) मालवा का पठार:-

यह अरावली के दक्षिण में स्थित है। इसके उत्तर-पूर्व में बघेलखंड स्थित तथा इसके उत्तर में बुंदेलखंड स्थित है।

(iii) छोटानागपुर पठार:-

यह भारत का खनिज भंडार क्षेत्र है। यह झारखंड के सिंहभूम जिले में स्थित है।

(iv) दक्कन का पठार:-

यह ज्वालामुखी के विस्फोट से बना है। इसके काली मिट्टी को रेगुर कहते हैं जो कपास की खेती के लिए उत्तम है।

4. तटीय मैदान

दक्षिणी पठार के दोनों ओर दो संकरे मैदान हैं जिसे पश्चिमी तटीय मैदान तथा पूर्वी तटीय मैदान कहा जाता है जिसका विवरण निम्न है -

(i) पश्चिमी तटीय मैदान

(ii) पूर्वी तटीय मैदान

(1) पश्चिमी तटीय मैदान :- (2) पूर्वी तटीय मैदान :-

यह अरब सागर के पूर्व में तथा केरल तट से पश्चिम में स्थित है। यहाँ कच्छ से लेकर गोवा तक के भाग को कोंकण तथा मध्य भाग को कन्नड़ तट के नाम से जाना जाता है तथा दक्षिणी तट को मालाबार तट के नाम से। यहाँ प्राकृतिक बंदरगाहों की संख्या अधिक है।

यह गंगा के मुहाने से लेकर कुमारी अंतरीप तक फैला हुआ है। इसमें प्राकृतिक बंदरगाहों की संख्या कम है। यह तट कटा-फटा है इसके प्रसिद्ध झीलें जैसे चिल्का झील तथा पुलिकट झील है।

5. द्वीप समूह

भारत में कुल 247 द्वीप समूह हैं जिसमें 204 लक्षद्वीप में तथा शेष बंगाल की खाड़ी में स्थित हैं।

1. लक्षद्वीप :- इसमें द्वीपों की संख्या 37 है जिसमें 10 पर जनसंख्या निवास करती है।

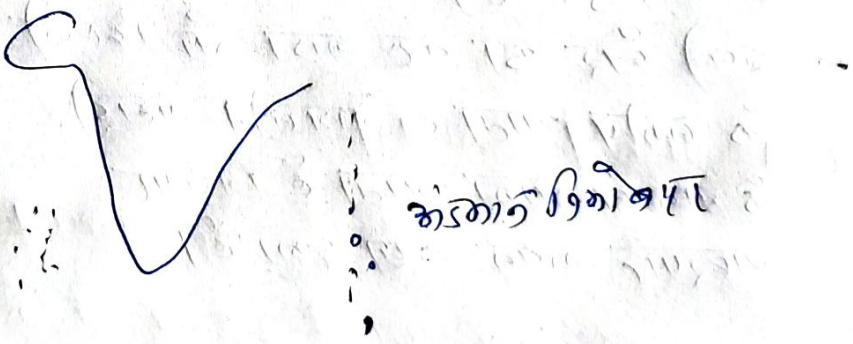

→ भारत का सबसे छोटा केन्द्रशासित राज्य है इसका निर्माण प्रवाल भित्तियों से हुआ है।

(ii) अंडमान निकोबार द्वीपसमूह :-

यह बंगाल की खाड़ी में स्थित है
→ यहाँ अंग्रेजों के काल में सेल्यूलर जेल स्थित था यहाँ काला-पानी की सजा दी जाती थी